बुन्देल भारती
भाग-1

बुंदेल भारती

पहला भाग

राज्य संदर्भ केन्द्र

साक्षरता निकेतन,

लखनऊ- 226005 (उत्तर प्रदेश)

Bundel Bharti

बुंदेल भारती

रचना मण्डल

डॉ. एन. के. सिंह

लीलाधर शर्मा पर्वतीय

द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

भवानी शंकर उपाध्याय

डॉ. ओम प्रकाश शर्मा

यमुना प्रसाद त्रिपाठी 'धार'

श्याम लाल

विश्वनाथ सिंह

पुनर्निर्माण

डॉ. देवेन्द्र सिंह

डॉ. धर्म सिंह

श्याम लाल

विश्वनाथ सिंह

सितम्बर- 1989

प्रकाशक

राज्य संदर्भ केन्द्र,

साक्षरता निकेतन,

लखनऊ-226005

कलापक्ष

पूनम शाही

मीरा गुप्ता

डी. वी. दीक्षित

के. जी. सिंह

प्रथम संस्करण

फरवरी-1987

द्वितीय संस्करण

फरवरी-1988

तृतीय संस्करण

जनवरी-1989

मुद्रक

वर्धन प्रिंटर्स

94, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ-226001

इस प्रवेशिका के सम्बन्ध में

प्रौढ़ शिक्षा के नीति-वक्तव्य में इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि प्रौढ़ों के लिए निर्मित पाठ्यक्रम एवं तत्सम्बन्धी पठन-पाठन सामग्री प्रौढ़ के जीवन और उसकी आर्थिक, सामाजिक, भौगोलिक तथा सांस्कृतिक प्राथमिकताओं पर आधारित हो। साक्षरता निकेतन ने अपनी साधन-सीमाओं के अंतर्गत उपर्युक्त मूल भावना को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के साहित्य का निर्माण किया है। इसमें निकेतन द्वारा प्रकाशित मूल साक्षरता सामग्री के सेट विशेष उल्लेखनीय हैं। ये सेट विशिष्ट एवं सामान्य लक्ष्य-समूहों के लिए विभिन्न साक्षरता पद्धतियों तथा केन्द्रिय एवं राज्य सरकारों की प्राथमिकताओं के आधार पर निर्मित किए गए हैं।

अभी कुछ समय पहले निकेतन ने उत्तर प्रदेश के पर्वतीय अचंलों के लिए 'पर्वत भारती' प्रवेशिका तथा तत्सम्बन्धी मूल साक्षरता सामग्री का निर्माण किया था। प्रौढ़ शिक्षा में संलग्न-भाषा शास्त्रियों और विद्वानों ने पद्धति एवं विषय-चयन की दृष्टि से इस सामग्री की विशेष प्रसंशा की। वर्तमान शिक्षा सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार श्री जगदीश चन्द्र पंत ने इस सामग्री के साँचे पर उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल तथा बुन्देलखण्ड अंचलों के लिए विशेष साक्षरता सामग्री निर्मित करने की आकांक्षा व्यक्त की। सच तो यह है कि यह आकांक्षा पूर्वांचल एवं बुन्देलखण्ड के लिए विशिष्ट सामग्री बनाने की सबल प्रेरणा बनी। एतदर्थ हम उनके अत्यन्त आभारी हैं। उत्तर प्रदेश अपने क्षेत्रफल, जनसंख्या, सामाजिक परिवेश, भौगोलिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से ऐसे विविध रंगों वाला है कि उसके लिए विशेष लक्ष्य-समूहों पर आधारित शिक्षण-सामग्री की सार्थकता अधिक है।

निकेतन ने बुन्देलखण्ड अंचल के लिए मूल साक्षरता सामग्री के निर्माण हेतु माताटीला, ललितपुर में 5 से 12 नवम्बर, 1986 तक कार्यशाला आयोजित की। इसमें 'बुन्देल भारती' प्रवेशिका, अभ्यास पुस्तिका, शिक्षक निर्देशिका तथा तत्सम्बन्धी चार्टों की रूपरेखा तैयार की गयी। इस शिविर में प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं शिक्षाविद् श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी, श्री निरंजन कुमार सिंह, जामिया मिलिया, दिल्ली के डॉ. जयपाल सिंह 'तरंग', श्री लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय' तथा डॉक्टर (कु.) मधु माहेश्वरी का विशेष सहयोग रहा। प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय की ओर से सर्वश्री रामभरोसे, भवानी शंकर उपाध्याय, डॉ. ओम प्रकाश शर्मा 'अश्वघोष', कु. ललित प्रभा जोशी, श्री गया प्रसाद, श्रीमती नैली जोजेफ, श्री अरुण कुमार सरावगी, डॉ. देवेन्द्र सिंह, श्री के. एन. जौहरी तथा श्री मैथली शरण स्वर्णकार ने अपने सहयोगियों सहित सक्रिय सहयोग दिया। निकेतन के सहयोगियों सर्वश्री यमुना प्रसाद त्रिपाठी 'धार', श्याम लाल, के. जी. सिंह, राजेन्द्र श्रीवास्तव, मदन सिंह तथा विश्वनाथ सिंह ने बड़ी तत्परता से इस कार्य को सफल बनाया।

इस सामग्री की कुछ प्रमुख विशेषताएँ हैं :

* यह पूर्ण रूप से लक्ष्य समूह के स्थानीय परिवेश से जुड़ी है।
* प्रौढ़ शिक्षा के तीनों आयाम (साक्षरता, चेतना, जागृति एवं व्यावसायिक दक्षता) इस सामग्री के माध्यम से पूरे किए जा सकते हैं।
* इस सामग्री के निर्माण में स्थानीय विषय-विशेषज्ञों, भाषा-शास्त्रियों, विभागीय अधिकारियों तथा प्रौढ़ प्रतिनिधियों का सम्यक प्रतिनिधित्व हुआ है।
* सामग्री का चित्रांकन एवं पठन-अभ्यासों का लेखन स्थानीय परिवेश में संभव हो सका है।
* सामग्री की रचना के साथ ही इसका पूर्व परीक्षण भी चलता रहा है। विषय, भाषा पद्धति एवं लक्ष्य-समूह की विशेषताओं संबंधी सारे सुझावों, संशोधनों एवं परीक्षणों का अंतिम रूप है यह प्रवेशिका।

मुझे विश्वास है कि निकेतन द्वारा निर्मित अन्य मूल साक्षरता सामग्री प्रकाशनों की भाँति ही इस विशेष सामग्री का भी समुचित उपयोग होगा।

गणेश शंकर चौधरी
निदेशक,
साक्षरता निकेतन, लखनऊ

नए संस्करण की भूमिका

साक्षरता निकेतन द्वारा क्षेत्रीय आधार पर निर्मित सभी प्रवेशिकाओं का व्यापक उपयोग और स्वागत हुआ है। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना के उपरांत प्रौढ़ शिक्षा के उद्देश्यों और कार्यक्रम में कई महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। ये परिवर्तन क्षेत्रीय अध्ययन, अनुभवों, प्रवर्तन एवं मूल्यांकन पर आधारित हैं। पाठ्यक्रम एव सामग्री निर्माण पर भी इन परिवर्तनों का प्रभाव स्वाभाविक है।

अतः सभी प्रवेशिकाओं को नई नीति के अनुसार एकीकृत रूप में संशोधित एवं पुनर्निर्मित किया गया है। कुछ नई प्रवेशिकाएँ भी बनाई गई हैं। इस 'बुंदेल भारती' के पुनर्निर्माण की कुछ विशेषताएँ इस प्रकार हैं –

* यह भारत सरकार एवं प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित एकीकृत विधा के मानकों पर आधारित है।
* साक्षरता अथवा गणित का भार नवीन मानकों के अनुसार जहाँ अधिक अनुभव हुआ, वहाँ इस संस्करण में कम किया गया है।
* अभ्यास पुस्तिका तथा गणित को प्रवेशिका के साथ ही संलग्न किया गया है।

प्रत्येक तीन पाठों के बाद एक जाँच-पत्र दिया गया है। प्रवेशिका के अन्त में सम्पूर्ण प्रथम भाग के लिए भी एक जाँच-पत्र है, जिसमें पढ़ाई, लिखाई व गणित-संबंधी दक्षता की जाँच हेतु प्रश्न दिए गए हैं। अन्त में प्रमाण-पत्र का प्रारूप भी है।

प्रवेशिका के पुनर्निर्माण में डॉ. देवेन्द्र सिंह, डॉ. धर्म सिंह, श्री श्याम लाल तथा पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग के अध्यक्ष श्री विश्वनाथ सिंह ने अथक परिश्रम किया। उत्तर प्रदेश सरकार की प्रौढ़ शिक्षा सचिव तथा निदेशक श्रीमती रीता सिन्हा ने हर स्तर पर हमें परामर्श एवं निर्देशन देकर इस कार्य को गरिमा प्रदान की। हम उनके आभारी हैं।

आशा है, इस प्रवेशिका के माध्यम से प्रौढ़ को साक्षरता, व्यावसायिक दक्षता एवं चेतना जागृति-संबंधी आयामों को पूरा करने में अधिक सुविधा होगी। साथ ही, प्राप्त दक्षताओं की परीक्षा और अभिलेख-संबंधी कार्यकलाप भी सुविधापूर्वक सम्पन्न किए जा सकेंगे।

आशा है, आप अपने बहुमूल्य सुझाव देकर हमें कृतार्थ करेंगे।

दिनांक : 11.9.1989

शिवदत्त त्रिवेदी
निदेशक, रा. सं. केन्द्र
साक्षरता निकेतन, लखनऊ

बुंदेल भारती

पहला भाग

(पाठ इकाई विवरणिका)

पाठ सं.	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय एवं चर्चा बिन्दु	रा.सा.मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
1.	चना	च न ा		कृषि: चने की खेती, उन्नत बीज, रोग, उपचार, सुविधाएँ	कार्यात्मक शिक्षा, कौशल विकास, आर्थिक कार्यकलाप
2.	बाजरा	ब ज र	1 की गिनती	कृषि: बाजरे की खेती, उन्नत बीज, बीमारियाँ, सुविधाएँ	कार्यात्मक शिक्षा, कौशल विकास, आर्थिक कार्यकलाप
3.	गाय, बकरी	ग य क ी	2, 3 की गिनती	पशुपालन: लाभ, उन्नत जातियाँ, नस्ल-सुधार, सुविधाएँ	कार्यात्मक शिक्षा, कौशल विकास, आर्थिक कार्यकलाप

जाँच-पत्र-1 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

पाठ सं.	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय एवं चर्चा बिन्दु	रा.सा.मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
4.	पान, महोबा	प म ह ो	4, 5 की गिनती	व्यवसाय: पान की खेती, जातियाँ, उपज सॉंस्कृतिक: महोबा का महत्त्व	कार्यात्मक शिक्षा, कौशल विकास, आर्थिक कार्यकलाप, चेतना जागृति कार्यक्रम
5.	घर, खपरैल	घ ै ल	6 से 10 तक की गिनती	आवास: सस्ता, स्वच्छ घर कैसा हो ?	कार्यात्मक शिक्षा. कौशल विकास, चेतना जागृति
6.	अभ्यास पाठ	कविता	11 से 15 तक की गिनती	श्रम का महत्त्व	चेतना जागृति सॉंस्कृतिक पक्ष

जाँच-पत्र-2 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)

7.	माताटीला बाँध	त टँ ध	16 से 20 तक की गिनती दहाई, इकाई	विकास योजनाएँ: बुदेलखण्ड में सिंचाई एवं विद्युत परियोजनाएँ	चेतना जागृति, राष्ट्रीय विकास
8.	बंजर, सिंचाई	ं ि स ई	21 से 30 तक की गिनती	भूमि सुधार: भूमि सुधार के कार्यक्रम	कार्यात्मक शिक्षा, कौशल विकास, आर्थिक कार्य-कलाप
9.	महुआ, बेर, आँवला	ु आ े व	31 से 40 तक की गिनती	वानिकी: सामाजिक	कार्यात्मक शिक्षा, कौशल विकास, चेतना जागृति
10.	तेंदू, सागौन, ढाक	द ू ौ ढ	41 से 50 तक की गिनती	वन-उद्योग : वनों से लाभ, उद्योग	कार्यात्मक शिक्षा कौशल विकास, आर्थिक कार्यकलाप

जाँच- पत्र-3 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)

प्रमाण पत्र

पाठ 1

चना

च ना

च ा न ा

च	चना
न	नाच
ा	चाचा नाना नाचना

लकीरें खींचिए-

अभ्यास 1

1.1. पढ़िए :

च न चा ना

चाचा नाना नाच नाचा

चना नाचना नचाना

चना

चाचा चाचा चना

नाना नाना चना

2. लिखिए :

चाचा

चना

नाना
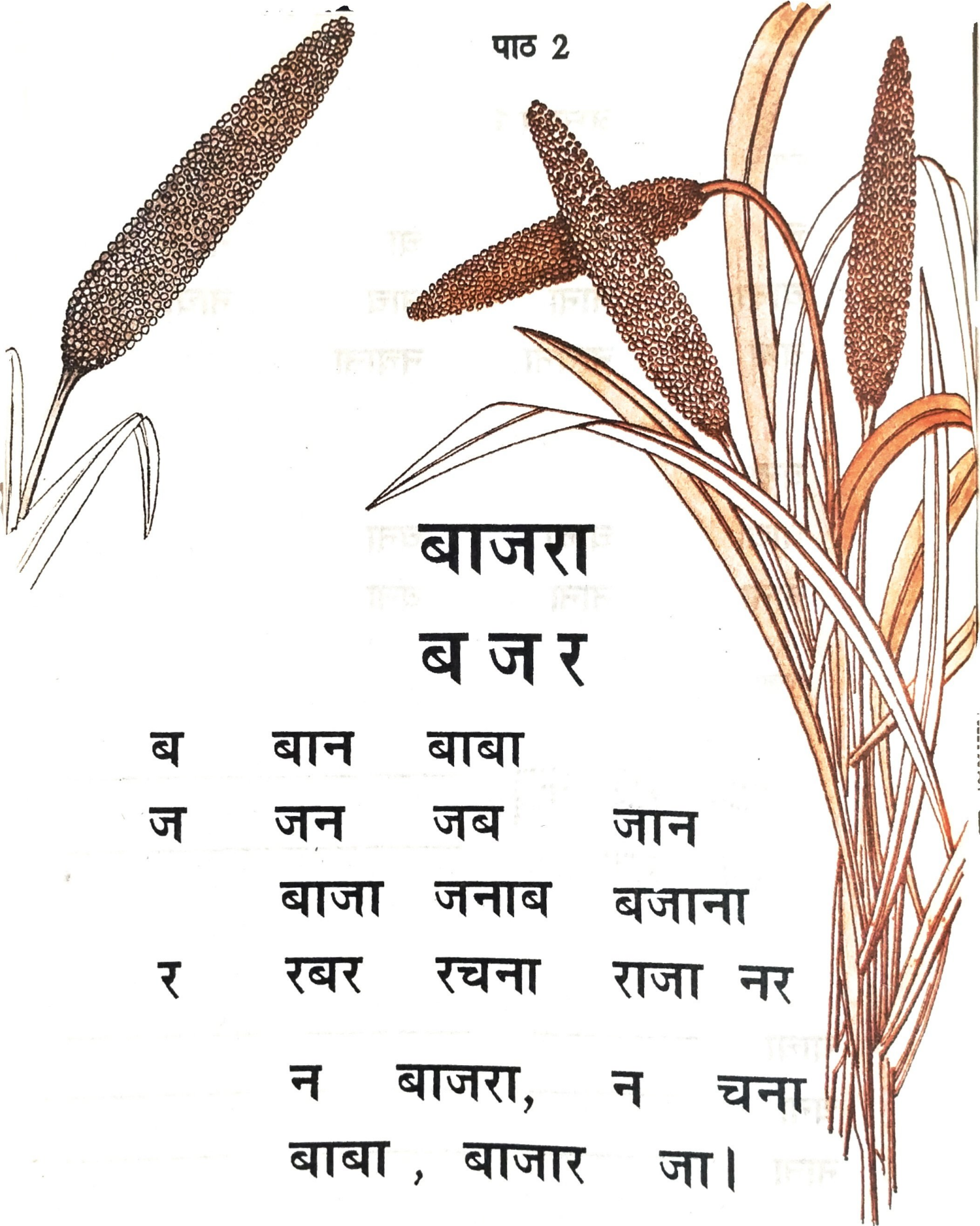
बाजरा

ब ज र

ब बान बाबा

ज जन जब जान

बाजा जनाब बजाना

र रबर रचना राजा नर

न बाजरा, न चना

बाबा, बाजार जा।

अभ्यास-2

1.1. पढ़िए :

ब	ज	र	च	न
बा	जा	रा	चा	ना

1.2. चारा   चरना   चराना   चरन

बाजार   बाजरा   बाजा   राजा

2. लिखिए :

ब ब ब ब ________ ________ ________

ज ज ज ज ________ ________ ________

र र र ________ ________ ________

बाजरा ________   चारा ________ ________

चरन ________   बाबा बाजार जा। ________

3. गिनती सीखिए और लिखिए :

1 १ ....

पाठ 3
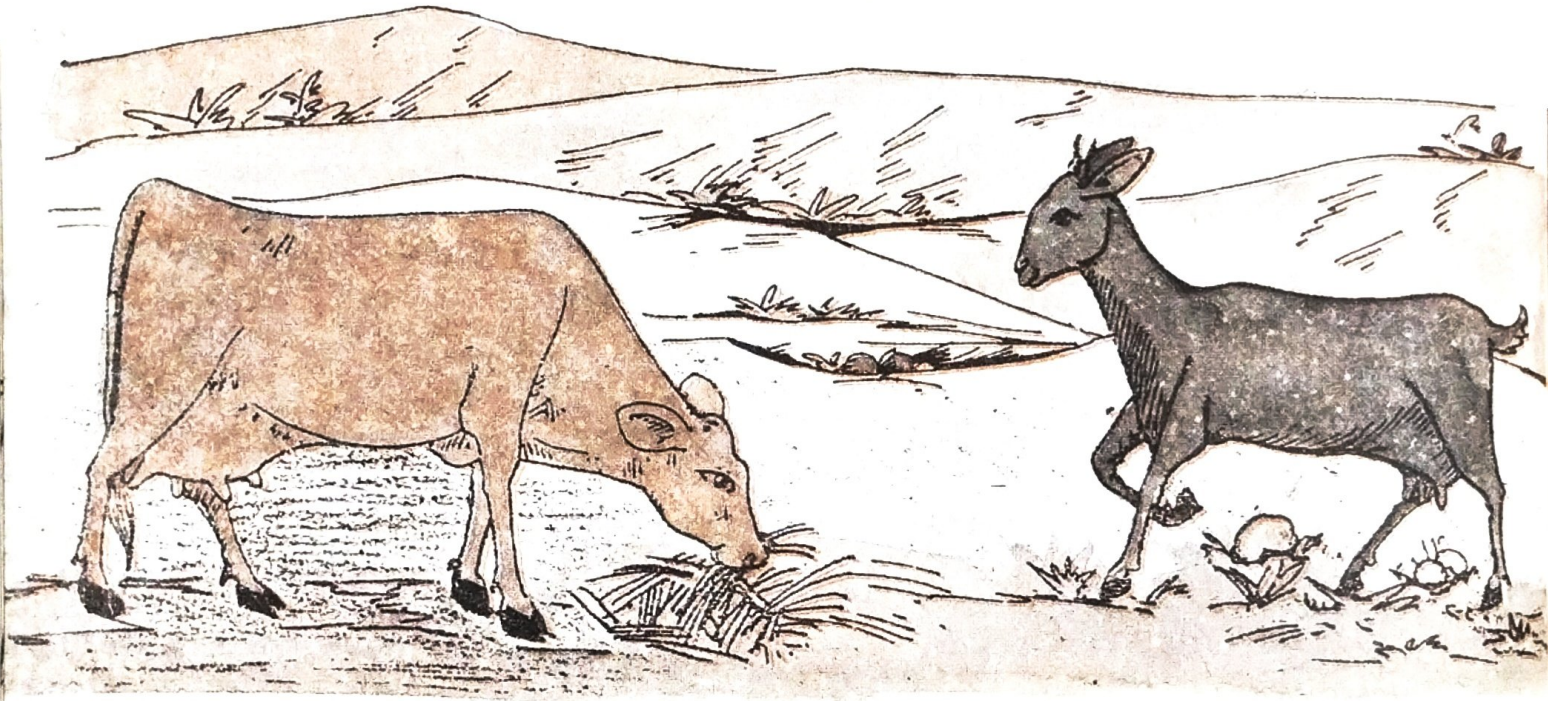
गाय   बकरी

ग य   क ी

ग	गगन	नगर	गाजर	बाग	गागर
य	यान	नयन	चाय	नया	बयार
क	कब	कनक	काका	नाक	बकरा
ी	बीज	चीनी	नानी	कबीर	गरीब

जगरानी जागी।

जानकी जागी।

जगरानी की बरबरी बकरी।

जानकी की कबरी गाय।

गाय का चारा।

बकरी का चारा।

जगरानी, बकरी चरा।

जानकी, गाय चरा।

अभ्यास 3

1.1. चौखटे में लिखे वर्ण को पहचानिए और शब्दों में आए उस वर्ण के नीचे लकीर खींचिए :

ग	गज	जग	नगर	गगरा
य	जय	चाय	गाय	राय
क	कन	नाक	चाक	रकबा

1.2. पढ़िए :

क	का	की	काका	कीच
ग	गा	गी	गारा	गरीबी
च	चा	ची	चाक	चाची
ज	जा	जी	जाग	जीजी
ब	बा	बी	बाग	बगीचा

2.1. लिखिए :

2.2.

चक ________ **चारा** ________

गाजर ________ **नयन** ________

कचनार ________ **कजरी** ________

2.3. पढ़िए और लिखिए :

जया की गाय। ________

जगरानी की बकरी। ________

जगन का चाक। ________

कबीर का चक। ________

3. गिनती सीखिए और लिखिए :
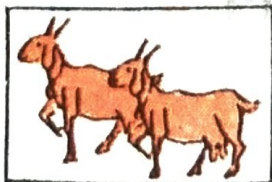
2 2 ....
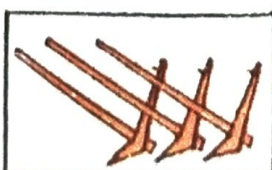
3 3 ....

जाँच-पत्र 1. (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

1. पढ़िए :

चारा	गाजर	चाय	बाजार
बयार	जनाब	चना	जागीर

बाबा, बाजार, जा ।

काका, कजरी गा ।

2. चौखटे में लिखा हुआ अक्षर, सामने छपे शब्दों में खोजिए और उसके चारों ओर घेरा लगाइए :

न	जग	पान	बाजार	चरन
ज	बीज	नाज	गागर	जनक
ब	नमक	बकरा	गायक	रबर
क	कब	बयार	नाक	नगर
य	चाय	नयन	गाजर	बाग

3. समान शब्दों को मिलाइए :

बकरा	रकबा
रकबा	नाच
नाच	बकरा

4. लिखिए :

(अ) नाज ______ जीजी ______ बाजरा ______ बयार ______

(ब) जगरानी, बकरी चरा।

____

5. 'ा' और 'ी' की मात्रा जोड़कर शब्द बनाइए:

गर··· ब न···क ब··· ज

ज····नक·· च····र· बकर··

6. छूटी हुई गिनती भरिए :

1		

पाठ 4

पान	महोबा
प	म ह ो

प	पग	पानी	पीपा	नाप	जीप
म	मन	मान	मीरा	नमक	जमीन
ह	हक	हार	नहर	हीरा	कहानी
ो	चोकर	गोबर	मोर	रोजगार	मकोय

पान

महोबा का पान।

जगह - जगह महोबा का पान।

मीरा, पान का रोजगार कर।

रानी, गहना कम पहन।

बहिन का कहना मान।

अभ्यास 4

1.1.नीचे लिखे शब्दों में प, म, ह को पहचानकर उनके नीचे लकीर खींचिए :

प	नाप	पराग	जपना	कीप
म	काम	मकान	नमक	महान
ह	राह	नहर	हजार	मजहब

1.2.पढ़िए :

काम	हीरा	पीपा	जापान
गोकरन	गाहक	कमजोर	मोहक
गायक	हकीम	रोजी	बोरी

2.1.लिखिए :

प ____ ____ ____ ____

म ____ ____ ____ ____

ह ह ____ ____ ____ ____

2.2 'ो' जोड़कर पढ़िए और लिखिए :

ो	र····जगार रोजगार	———	म··· हर	———
ो	क··· हरा	———	र···ग	———
ो	च··· कर	———	ग····री	———

2.3. पढ़िए और लिखिए :

गोपी, रोज चना चबा ।

काम कर । रोजगार कर ।

____

____

3. गिनती सीखिए और लिखिए :

4 .....**4** ....

5 .....**5** ....

पाठ 5
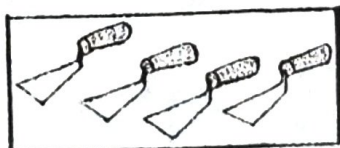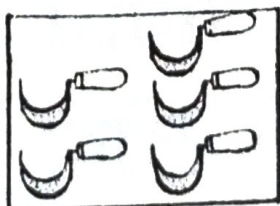
घर　　　　　　खपरैल

घ　　　　　　ख ै ल

घ	घन	घाम	घी	बाघ	घनघोर
ख	खबर	खारा	खीर	राखी	खोज
ै	चैन	नैहर	पैर	पैजनी	पैगाम
ल	लहर	लाल	पालक	होली	लोहा

नाहर का बाग है।

नाहर की जमीन है।

गाय है। बैल है। बकरी है।

लाजो, नाहर की घरनी है।

लाजो बोली–

हर चीज है,

पर न घर है, न बकरी है।

खपरैल लानी है।

घर बनाना है।

खपरैल का घर।

अभ्यास 5

1.1.चौखटे में लिखे शब्द को आगे लिखे शब्दों में खोजिए और उसके नीचे लकीर खींचिए :

घी	खीरा	गलीचा	घी	घनघोर
राखी	सखी	राख	खीर	राखी
मैना	बैल	मैका	मैना	मैया
होली	होली	माली	गोली	चोली
बाघ	माघ	बाघ	घाम	साग

1.2.पढ़िए :

लीला को नैहर जाना है ।

मीरा, हैरान न हो ।

घर चल । खाना बना ।

2.1.लिखिए :

2.2. चित्र देखकर नाम लिखिए :
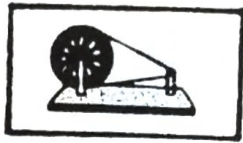
2.3. 'ै' लगाकर पढ़िए और लिखिए :

पजनी पैजनी ________ ________ ________

बगन ________ ________ ________ ________

पजामा ________ ________ ________ ________

3. गिनती सीखिए और लिखिए :
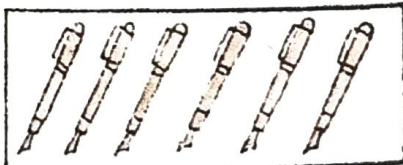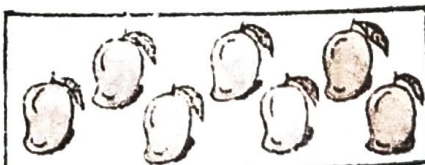
पाठ 6

काम

काम करो,
काम करो।

काम हमारी है पहचान,
राम, रहीम न हो हैरान।

काम न हो जब, मन ना मार,
मन हो खोजी, काम हजार।

हर मजहब का कहना है,
काम हमारा गहना है।

नाम करो,
नाम करो।
काम करो, काम करो।

-डॉ० अश्वघोष

अभ्यास 6

1.1. मात्राएँ जोड़कर लिखिए और पढ़िए :

	ा	ी	ै	ो
क	का	की	कै	को
ख				
घ				
च				
ज				
न				
प				
ब				
म				
ल				
ह				

2. गिनती सीखिए और लिखिए :

11 12 13 14 15

___ ___ ___ ___ ___

2.1. खाली जगहें भरकर गिनती पूरी कीजिए :

1 ___ 3 ___ 5 ___ 7 ___ 9 ___

जाँच-पत्र-2. (पाठ 4 से 6 तक के लिए)

1. पढ़िए :

कमला चरखा चलाती है।
मोहन गाय चराता है।
पाकीजा पानी लाती है।
कबीर पपीता लगाता है।

2. लिखिए :

सोहर होली खपरैल नहर

_____ _____ _____ _____

3. नीचे लिखे अक्षर और मात्राएँ जोड़कर शब्द पूरे कीजिए :

े ो ह मी

र....जगार ....पजनी

....कीम ....नार

4. चित्रों के नाम लिखिए :
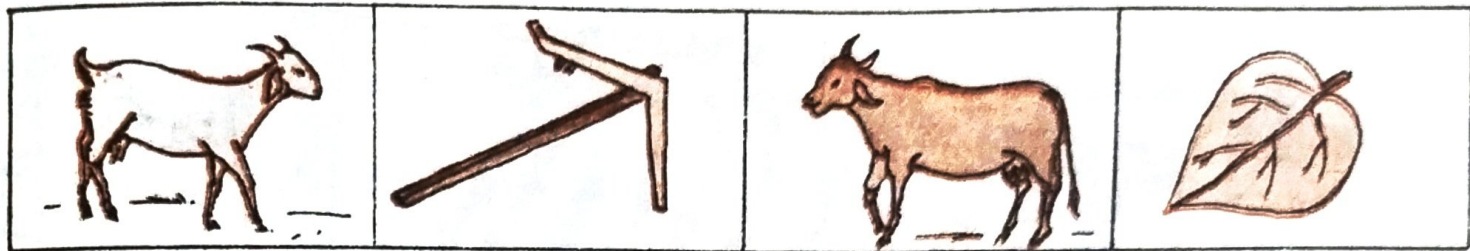
5. छूटी हुए गिनतियाँ लिखिए :

6 ____ ____ 9 ____

____ 12 13 ____ 15

6. 1 से 15 तक गिनती लिखिए :

1 ____ ____

____ ____ ____

____ ____ ____

____ ____ ____

____ ____ 15

पाठ 7
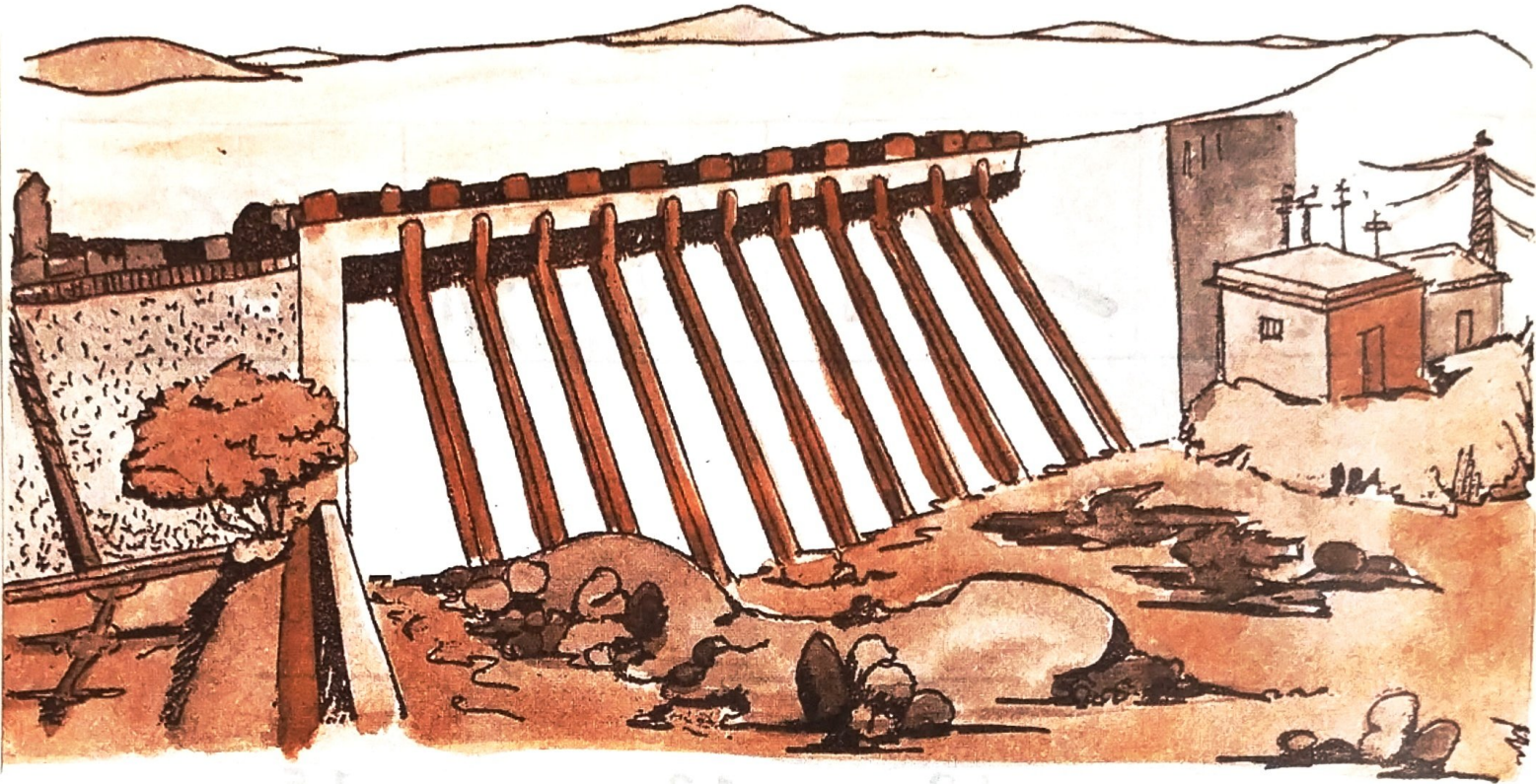
माताटीला बाँध

त ट ँ ध

त	तन ताकत तीज तोता तैरना
ट	टमाटर टाट टीका टोकरी मटर
ँ	माँ पाँच खाँचा काँटा महँगा
ध	धन धान धीर धोखा करधनी

पानी बहता है।

रोज बहता है।

लगातार बहता है।

माताटीला पर पानी की धारा रोकी।

बाँध बनाया गया।

नाम है-माताटीला बाँध।

बाँध का मनमोहक नजारा।

जहाँ तक नजर जाती है - पानी ही पानी।

गहरा पानी,नीला पानी।

हार को पानी।

नगर को पानी।

घर को पानी।

पानी की कमी न रही।

अभ्यास 7

1.1. चौखटे में लिखे वर्ण को उसके सामने के शब्दों में खोजिए और बताइए, वह कितनी बार आया है :

त	तकली	खत	तना	तरकारी		☐
ट	टमाटर	रहट	कटहल	मटर	मोटर	☐
ध	धरा	बाधक	माता	बोधगया		☐

1.2 पढ़िए :

जाँग	टाँका	पाँच	काँच
माँग	काँटा	बाँह	ताँत

2. लिखिए :

धरती धन है। ____________

पानी धन है। ____________

बाँध का पानी लो। ____________

टमाटर, पपीता लगा लो। ____________

गाजर, पालक, मटर बो लो। ____________

3. गिनती सीखिए और लिखिए :

16	17	18	19	20
____	____	____	____	____

पाठ 8

बंजर सिंचाई

ं ि स ई

ं	गंगा	घंटा	कंघी	जंगल	पतंग
ि	किताब	पति	महिला	किला	टिकट
स	सच	साग	सीख	सोहर	संत
ई	ईख	ईमान	ईंधन	निराई	कमाई

मंगल की जमीन

मंगल की जमीन बंजर है। जमीन पर बस कहीं-कहीं घास है।

किसन मंगल का मामा है। किसन, मंगल को बताता है- मंगल, घबरा मत! सब लोग मिलकर नाला बाँधो। पानी रोको। सिंचाई करो। पानी होगा तो बंजर जमीन हरी होगी। चना होगा, बाजरा होगा। ईख होगी, राई होगी। साग-पात होगा। हरा चारा होगा।

मंगल किसन की बात मान गया। मिलकर नाला बाँधा। जमीन बराबर की। सिंचाई की। मंगल की जमीन बंजर नहीं रही।

अभ्यास 8

1. पढ़िए :

किताब	लिखना	सोहर	बंधन
जंगल	बिजली	ईंधन	साग
सहजन	राई	टिकट	धंधा

2.1. '◌ं' लगाकर पूरा कीजिए और लिखिए :

◌ं कघी कंघी सत ....

◌ं पख .... जगल ....

'ि' म... हला महिला ... रबन

... हरन न... नहाल

... जला हं... सया

2.2. चौखटे के वर्णों की सहायता से पाँच शब्द बनाकर लिखिए :

टि	बि	लि	या
र	बि	ज	ली
जि	र	पै	सा
जं	ग	ल	का
स	ह	ज	न

____

____

____

____

____

3 . गिनती सीखिए और लिखिए :

21 22 23 24 25 26 27 28 29 30

3.1. 1 से 30 तक गिनती क्रम से लिखिए :

जैसे :-

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

11

21

3.2. नीचे के चौखटे में छूटी हुई गिनतियाँ लिखिए :::

1	2		4		6	7		9	10
	12	13		15		17	18	19	
21		23	24		26		28		30

पाठ 9

महुआ बेर आँवला

ु आ े व

ु	सुन हुनर बुलबुल सुपारी सुहाग धुनकी
आ	आम आग आसपास आँधी हलुआ
े	खेत जलेबी चबेना बेंत बहेलिया
व	वन विवाह वीरता हवा बेतवा

रघुबीर की चिंता

रघुबीर सबेरे ही खेत पर गया। वह हल ले गया, बैल ले गया। खुरपी ले गया। पर वह कोई काम न कर सका।

मेवादेवी रघुबीर का चबेना लेकर आयी। बोली—"आज काम नहीं कर रहे, कोई खास बात हो गई ?"

रघुबीर ने कहा—"हाँ मेवा, नाटा बैल बहुत कमजोर हो गया है। आज बेतवा पार करते राह में गिर गया। वही सोच है– नया बैल कैसे लें, पैसा तो है ही नहीं।"

"पैसा तो है, बहुत है, पहले चबेना लो।"

रघुबीर ने चबेना ले लिया। मेवादेवी ने बताया–"मैंने बहुत रुपया जमा किया है। जानते हो, कैसे ? बेर, महुआ व आँवला बेचकर। तुमको बताया नहीं। चुपचाप सब किया है। आसपास बहुत बेर हैं। महुआ व आँवला हैं। ये सब हमारे मेवे हैं, मेवे। यही सोचकर गाँव की महिलाओं ने महिला समिति बनाई है। समिति ने ही तय किया है कि हम सब ये काम करेंगी।"

"वाह मेवा, वाह! तुमने तो मेरी सारी चिंता ही हर ली। सच मानो मेवा-

तुम जैसी हो घर की घरनी।
तब काहे की चिंता करनी।।"

अभ्यास– 9

1.1. समान शब्दों को रेखाओं से मिलाइए :

बुनकर	आग
आँधी	बुनकर
पटेला	आँधी
आग	पटेला

1.2. 'आ' अथवा 'व' जोड़कर पढ़िए और लिखिए :

…म , चा… ल , बेत… ा , मह… , सा… न

______ ______ ______ ______ ______

______ ______ ______ ______ ______

2. बेतवा, सेहत अथवा गाजर शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए :

1. मेवालाल ने खेत में ____________ लगाया ।
2. माताटीला बाँध ____________ नदी पर बना है ।
3. हरा साग खाने से ____________ बनती है ।

3. गिनती सीखिए और लिखिए :

31 32 33 34 35 36 37 38 39 40

___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___

___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___

पाठ 10

तेंदू सागौन ढाक

द ू ौ ढ
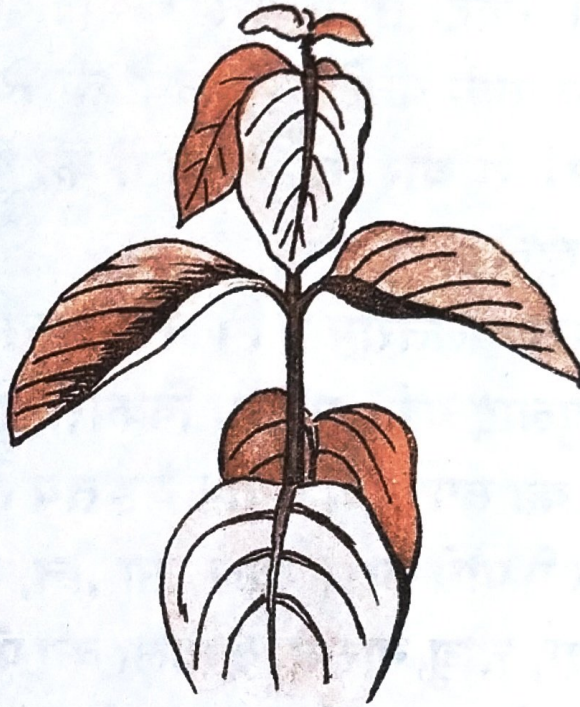
द	दवा दाना दीवाली दोपहर मंदोदरी
ू	दूध रूप कबूतर खजूर लंगूर
ौ	बौर पौधा चौपाल लौकी खिलौना
ढ	ढपली ढाल ढील ढेला ढोलक

वनदेवी, वनदेवता

मेवादेवी की मदद से रघुबीर बैल ले आया। दोनों दोपहर तक खेती का काम करते। मेवादेवी तीसरे पहर ढाक के पातों से दोने बनाती। रघुबीर तेंदू के पातों की ढुलाई करता। आमदनी के दरवाजे खुले।

रघुबीर, चौधरी दौलतराम से मिला। रामसरूप से मिला। चबूतरे पर पंचायत बुलाई गई। महिला विकास समिति को गाँव की सहकारी समिति का रूप दिया गया। यह तय किया गया कि गाँव की बंजर जमीन में पौधे लगें। साल, सागौन, महुआ, ढाक, सुबबूल, नीम, करौंदा, नीबू, नारंगी, आँवला की पौध रोपी गई। काँटेदार तार लगाकर ढोर-जानवरों से बचाव किया गया।

गाँव के वन ने रोजगार के कई दरवाजे खोले। खिलौने बनने लगे। कई दूसरे सामान बनने लगे। सहकारी दुकान पर रोजाना की जरूरत का ढेरों सामान मिलने लगा।

गाँव वालों ने महसूस किया कि गाँव की रौनक वन से ही है। वन ही देवी है, वन ही देवता है।

वन देवी, वन देवता
वन जीवन आधार।
रोजगार वन दे रहा
सुखी गाँव-परिवार।।

अभ्यास 10

1. पढ़िए :

गेहूँ के खेत में खाद देना जरूरी है ।
जरसी गाय खूब दूध देती है ।
पीने का पानी ढक कर रखें ।

2.1. नीचे लिखी चीजों में से दस ऐसी चीजों के नाम चुनकर लिखिए, जो घर में काम आती हैं :

दाना	सूप	नदी	दूध	बादल
ढोलक	चौलाई	रहट	लौकी	खिलौना
पतीली	सागौन	दरी	ढोर	सूत

1. ____________ 6. ____________

2. ____________ 7. ____________

3. ____________ 8. ____________

4. ____________ 9. ____________

5. ____________ 10. ____________

2.2. नीचे लिखे वाक्यों को सही करके लिखिए :

1. वन हमें रोजगार/समाचार देते हैं ।
2. माताटीला बाँध कानपुर/ललितपुर में है ।
3. बाँध से बिजली, पानी/घंटा मिलता है ।

3. गिनती सीखिए और लिखिए :

41 42 43 44 45 46 47 48 49 50

3.1. 50 से 31 तक की उल्टी गिनती लिखिए :

50

31

जाँच पत्र–3. (पाठ 1 से 10 तक के लिए)

1. नीचे दिए गए शब्दों में से 'ट', 'घ' और 'ई' से शुरू होने वाले दो-दो शब्द छाँटकर लिखिए :

धरती, धान, टाँग, ईख,
टमाटर, मटर, राई, दूध,
ईमान, टीका

धरती, धान, टाँग, ईख, इमाटर, मटर, राई, दूध,
ईमान, टीका

ट : ....

ध : ....

ई : ....

2. खाली जगहों में सही शब्द चुनकर लिखिए :

मटर धन ढक

पीने का पानी ________ कर रखें।

गाजर, पालक और ________ लगाएँ।

गाय ________ है।

3. पढ़िए और लिखिए :

वनों से हमें ईंधन मिलता है। वन ही जीवन है। वनों को बचाएँ।

---

4. नीचे के चौखटे में छूटी हुई गिनतियाँ लिखिए :

1		3			6		8		10
	12		14	15		17		19	
21		23		25	26				30
	32		34			37	38	39	
41	42			45		47			50

प्रतिभागी का नाम : ------------------- पता : -------------------

प्रवेश की तिथि : ------------------- -------------------

परीक्षा की तिथि : ------------------- -------------------

अनुदेशक/अनुदेशिका के हस्ताक्षर -------------------

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

कार्यक्रम : ....

परियोजना : ....

जिला : .... उत्तर प्रदेश

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमती/कुमारी ....

....

पत्नी/सुपुत्री ....

ने सन् .... *में चलाए गए*

प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र में ' बुंदेल भारती ' *प्रवेशिका भाग I को पूरा कर*

लिया है।

पर्यवेक्षक/प्रेरक   ग्राम प्रधान   अनुदेशक

तारीख ....